अंधेरगर्दी | सिहोरा में रेस्टोरेंट की मनमानी, फ्री पानी के नियम की अनदेखी

होटलों में चल रहा जीएसटी के नाम पर वसूली का खेल

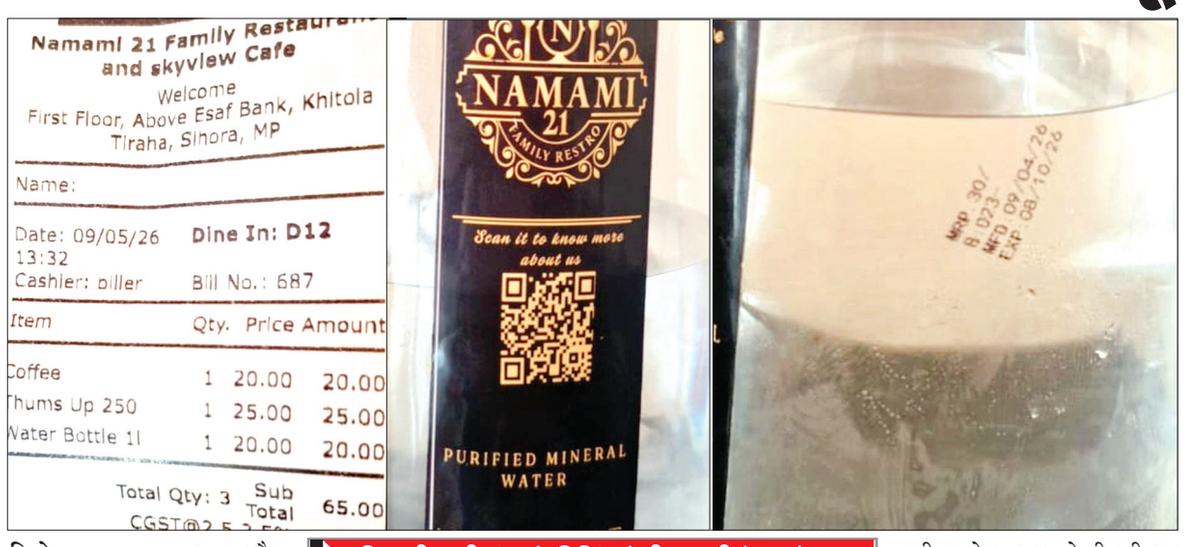

सिहोरा, नवभारत। नगर और आसपास के क्षेत्रों में कुछ रेस्टोरेंट संचालकों द्वारा ग्राहकों से अवैध वसूली के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला खितौला मोड़ स्थित एक फैमिली रेस्टोरेंट से जुड़ा है, जहां ग्राहकों को नियमों के विपरीत जबरन पैक पानी थमाकर बिल में जोड़ दिया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार (एफएसएसएआई) के नियमों के तहत रेस्टोरेंट संचालकों के लिए ग्राहकों को शुद्ध पेयजल नि:शुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है। साथ ही, ग्राहकों पर पैक पानी खरीदने का दबाव नहीं बनाया जा सकता। लेकिन संबंधित रेस्टोरेंट में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

बिना जीएसटी नंबर के बिलिंग में भी गड़बड़ी के आरोप

ग्राहकों को दिए जा रहे बिलों में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। बिल पर न तो जीएसटी नंबर दर्ज है और न ही (एफएसएसएआई) लाइसेंस का उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद ग्राहकों से 5 प्रतिशत जीएसटी वसूला जा रहा है, जो नियमों के खिलाफ है। जीएसटी नियमों के अनुसार, बिल में टैक्स की दर और जीएसटी नंबर स्पष्ट रूप से दर्शाना अनिवार्य होता है। वहीं, कंपोजिशन स्कीम के तहत आने वाले रेस्टोरेंट ग्राहकों से जीएसटी नहीं ले सकते।

क्या है पूरा मामला

बताया जा रहा है कि जैसे ही ग्राहक रेस्टोरेंट में बैठते हैं, उन्हें बिना पूछे ही खुद का पैक किया हुआ पानी थमा दिया जाता है। इस पानी की बोतलों पर न तो किसी वैध लाइसेंस की स्पष्ट जानकारी होती है और न ही यह पता चलता है कि इसका निर्माण या पैकेजिंग कहां की गई है।

लिखा 'नॉट फॉर सेल' फिर कर रहे वसूली

केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए बोतलों पर कीमत, पैकिंग और एक्सपायरी डेट अंकित कर दी जाती है, जबकि कुछ बोतलों पर 'नॉट फॉर सेल' भी लिखा होता है। इसके बावजूद इन बोतलों का शुल्क ग्राहकों के बिल में जोड़ दिया जाता है।

नियमों की अनदेखी पर ग्राहक जता रहे आपत्ति

विशेषज्ञों के अनुसार, रेस्टोरेंट संचालकों को ग्राहकों को नि:शुल्क पेयजल, स्वच्छ वातावरण और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इन सुविधाओं के नाम पर किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली नियमों का उल्लंघन है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की मनमानी से ग्राहकों का आर्थिक शोषण हो रहा है और संबंधित विभागों को इस पर जल्द कार्रवाई करनी चाहिए।

मोटर साईकिल से 300 पाव अवैध शराब जब्त

जुझारी बायपास पर आबकारी का शिकंजा, एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

सिहोरा, नवभारत। बीते दिवस आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर विशेष सतर्कता एवं कठोरता से प्रभावी अंकुश लगाये जाने के मद्देनज़र जबलपुर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशन में एवं सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के परिवहन की सूचना पर जुझारी बायपास में नहर के पास थाना गोसलपुर अंतर्गत एक काले रंग की पल्सर मोटर साईकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एम.पी 20 जेडके 4224 में रख कर 2 थैलों में अवैध मदिरा परिवहन करते हुए पुलिस ने आरोपी को पकड़ा है।

पुलिस ने बताया कि उक्त व्यक्ति की तलाशी के दौरान क्रमश: 100 पाव देसी मदिरा प्लेन एवं 200 पाव देसी मदिरा मसाला, कुल 300 पाव देशी मदिरा बरामद कर, आरोपी आशीष कोल पिता प्रकाश कोल उम्र 19 वर्ष ग्राम कुन्सरी थाना ढीमरखेड़ा जिला कटनी के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) की धारा 34(1) क एवं 34 (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त प्रकरण में मौके से फरार आरोपी चिक्की उर्फ भूपेंद्र सिंह राजपूत उम्र 25 वर्ष निवासी गोसलपुर की पतासाजी की जा रही है । पकड़ी गई शराब की कीमत 29000 हजार एवं मोटर साईकिल 40000 कुल 69 हजार का मशरूका पुलिस ने बरामद किया है।

इनकी रही मुख्य भूमिका

कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक आर.एस. मरावी, आबकारी मुख्य आरक्षक नेक लाल बागरी, आरक्षक सुरेंद्र जायसवाल, संतलाल मरावी, फूल सिंह एटिया की मुख्य भूमिका रही।

सवारी वाहन यातायात नियमों की खुलेआम उड़ा रहे धज्जियां

क्या बड़ी दुर्घटना के बाद टूटेगी नींद, लापरवाही का जिम्मेदार कौन? मौत का सफर करने मजबूर ग्रामीण

अमरपुर नवभारत 10 मई। अमरपुर जनपद मुख्यालय से लेकर दूरदराज के ग्रामीण अंचलों तक दौड़ रहे ऑटो, टैक्सी और तूफान वाहन इन दिनों यात्रियों की जिंदगी के लिए खतरा बनते नजर आ रहे हैं। सड़क पर फर्राटा भरते इन सवारी वाहनों में यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

क्षमता से अधिक सवारियां बैठाना, वाहन की छतों तक यात्रियों को बैठाकर सफर कराना, बिना फिटनेस और बिना वैध दस्तावेज के वाहन संचालन करना अब आम बात हो चुकी है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सबके बावजूद जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति करते नजर आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर सामने आने वाली तस्वीरें किसी भी व्यक्ति के रोंगटे खड़े कर देने के लिए काफी हैं। सवाल यह है कि आखिर यात्रियों की जिंदगी के साथ खुलेआम हो रहे इस खिलवाड़ का जिम्मेदार कौन है?

ऑटो, टैक्सी और तूफान वाहन हो रहे संचालित

अमरपुर जनपद मुख्यालय से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ऑटो, टैक्सी और तूफान वाहन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संचालित होते हैं। इन वाहनों में यात्रा करने वाले अधिकांश लोग ग्रामीण अंचलों के गरीब और जरूरतमंद यात्री होते हैं, जिन्हें मजबूरी में इन्हीं साधनों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन इन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर वाहन चालक और जिम्मेदार विभाग दोनों ही गंभीर नजर नहीं आते।

वाहन की छत पर बैठाकर करा रहे सफर

तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि छोटे ऑटो और टैक्सी वाहनों में क्षमता से कई गुना अधिक यात्रियों को बैठाया जा रहा है। इतना ही नहीं कई बार यात्रियों को वाहन की छत पर बैठाकर सफर कराया जाता है। यातायात नियमों के अनुसार प्रत्येक वाहन में निर्धारित सीट क्षमता से अधिक सवारी बैठाना कानूनन अपराध है, लेकिन जिले में यह नियम केवल कागजों तक सीमित दिखाई देता है।

पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं

डिंडोरी जिले में पहले भी कई सड़क हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें ओवरलोडिंग और लापरवाही मुख्य कारण बनकर सामने आई है। कई परिवार इन हादसों में अपनों को खो चुके हैं, लेकिन लगता है कि जिम्मेदार विभागों ने अब तक उन घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

वाहनों के दस्तावेज पूर्ण नहीं

जानकार सूत्रों की माने तो जिले में ऐसे कई वाहन संचालित हो रहे हैं, जिनके दस्तावेज आज तक पूर्ण नहीं हैं। कई वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, तो कई बिना परमिट के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ वाहन चालकों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं होने की बात सामने आती रही है। इसके बावजूद यह वाहन बेखौफ होकर सड़कों पर यात्रियों को ढोते नजर आते हैं।

सड़क पर दौड़ रहे जर्जर वाहन

सवाल यह उठता है कि आखिर बिना जांच और बिना कार्रवाई के यह वाहन खुलेआम कैसे संचालित हो रहे हैं? क्या परिवहन विभाग और यातायात विभाग को इन व्यवस्थाओं की जानकारी नहीं है, या फिर सब कुछ जानकारी होने के बावजूद अनदेखा किया जा रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले सवारी वाहनों की स्थिति इतनी खराब है कि कई वाहन जर्जर अवस्था में सड़क पर दौड़ते नजर आते हैं।

नहीं हो रहा नियमों का पालन

सवाल यह भी उठता है कि आखिर इन वाहनों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं? मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की होती है, लेकिन जिले में नियमों का पालन होता नजर नहीं आता।

इनका कहना है

ग्रामीण क्षेत्र में बहुत ज्यादा ओवरलोड वाहन चलते हैं। बच्चे और महिलाएं तक छत पर बैठकर सफर करती हैं। प्रशासन को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

स्थानीय नागरिक अमरपुर

मजबूरी में सफर करना पड़ता है। कई बार वाहन इतने भरे रहते हैं कि बैठने तक की जगह नहीं मिलती, लेकिन गांव जाने के लिए दूसरा साधन नहीं होता।

तूफान वाहन यात्री

समय-समय पर नियमानुसार कार्यवाही की जाती है, साथ ही वाहन चालकों को समझाया जाता है कि वाहन से संबंधित दस्तावेज साथ लेकर चले। यातायात नियमों का पालन करें। जो जानकारी आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई है एवं नियम विरुद्ध चलने वाले वाहन पर कार्यवाही की जाएगी।

संतोष यादव, अमरपुर चौकी प्रभारी

बचहा विद्यालय के प्रभारी ने नियमों की अवहेलना की

गरीब परिवार कन्याओं के लिए परिसर क्यों नहीं? विद्यालय परिसर में तिलकोत्सव किया गया आयोजित

चिल्हारी नवभारत 10 मई। जिले के मानपुर विकासखंड के शासकीय माध्यमिक विद्यालय बचहा के हेडमास्टर द्वारा शासकीय नियमों को तार-तार करते हुए विद्यालय परिसर में जश्न का माहौल दिखा।

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि विद्यालय के हेडमास्टर दयाराम प्रजापति द्वारा अपने विद्यालय परिसर के अंदर ही रामसुजन कुशवाहा के पुत्र संजय कुशवाहा के तिलकोत्सव का मंच सजाकर 8 मई को तिलकोत्सव आयोजित किया गया, जबकि शासकीय विद्यालय को विवाह या तिलकोत्सव सहित अन्य किसी समारोह के लिए नहीं देने का सभी विद्यालयों को स्पष्ट आदेश दिया गया था।

निजी व्यक्ति को विद्यालय का पूरा परिसर सौंप दिया- शासकीय माध्यमिक विद्यालय बचहा के प्रभारी ने नियम व निर्देशों का पालन नहीं किया। बताया गया कि विद्यालय के हेडमास्टर द्वारा नियम को दरकिनार करते हुए निजी व्यक्ति को विद्यालय सहित पूरा परिसर सौंप दिया गया, जबकि इन्हीं हेडमास्टर से ग्राम की कन्या के विवाह हेतु परिसर की मांग की गई तो नियम कानून का हवाला देते हुए विद्यालय परिसर देने से स्पष्ट मना कर दिया गया।

अमरपुर के प्रभारी ने तैयार किया फर्जी पंचनामा

ग्रामीणों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को फोन के माध्यम से इसकी सूचना दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भेजे गए जन शिक्षा केंद्र अधिकारी मार्को द्वारा 9 मई की हेडमास्टर के दबंगई के आगे फर्जी पंचनामा तैयार किया गया और कार्यवाही के नाम पर, सफाई देते घूम रहे है, जबकि वीडियो में स्पष्ट दिखाई देता है कि विद्यालय परिसर के अंदर से बाहर तक जश्न का माहौल है।

इनका कहना है

मैं बाहर हूं। मुझे इस मामले की जानकारी नही है। मेरे द्वारा रूपमंगल सिंह को प्रभार दिया गया है, वहीं रूपमंगल सिंह से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मेरे को विद्यालय परिसर में हो रहे समारोह की जानकारी नही थी, मुझे बाद में पता चला।

दयाराम प्रजापति, हेडमास्टर, शासकीय माध्यमिक विद्यालय बचहा

नर्मदा घाटों पर लगातार गूंज रहा स्वच्छता का संदेश

डिंडोरी। जिला मुख्यालय में पिछले लगभग छह माह से निरंतर संचालित हो रहा 'मैया अभियान' अब केवल एक स्वच्छता कार्यक्रम भर नहीं रह गया है, बल्कि यह जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। नर्मदा तट स्थित विभिन्न घाटों पर आयोजित इस अभियान में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन एक साथ श्रमदान कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। हर सप्ताह आयोजित होने वाले इस अभियान में बड़ी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक शामिल होकर घाटों की साफ-सफाई करते हैं। अभियान का उद्देश्य केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। अभियान के चलते जिले में सकारात्मक माहौल निर्मित हुआ है और कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया स्वयं अभियान में शामिल होकर अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ श्रमदान करती नजर आती हैं। कलेक्टर द्वारा लगातार लोगों से 'स्वच्छ डिंडोरी, सुंदर डिंडोरी' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

केरहा के जंगल की घटना, मानसिक रुप से अस्वस्थ था युवक

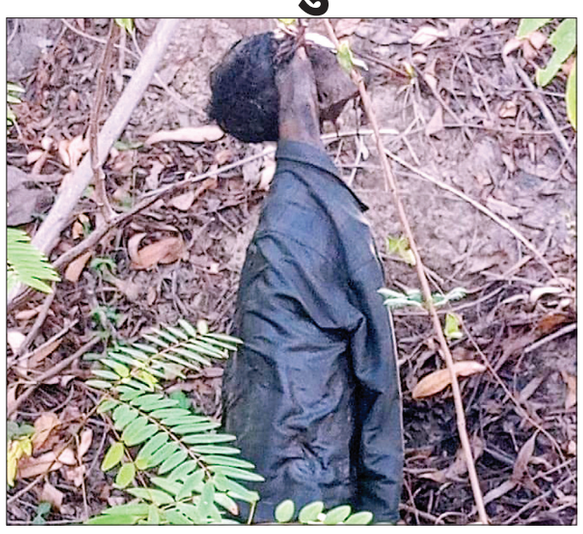

अनूपपुर, नवभारत 10 मई। रामनगर थाना अंतर्गत रविवार को केरहा जंगल में यूकेलिप्टिस के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर जांच उपरांत पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजे गया।

पुलिस ने बताया कि शव सड़-गल गया हैं, जिससे परिवारजनों से जैविक संबंध स्थापित करने हेतु डीएनए सैंपल सुरक्षित कराया गया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि केरहा जंगल में यूकेलिप्टिस के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ युवक का शव मिलने की सूचना मौका निरीक्षण किया, जहां ज्ञात हुआ कि उर्मिला चौधरी अपने मायके ग्राम झिरियाटोला में पुत्र के इलाज हेतु आई हुई थीं।

20 अप्रैल को बिना बताए घर से चला गया था

उर्मिला चौधरी का पुत्र 27 वर्षीय शेषनारायण चौधरी, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी, 20 अप्रैल की सुबह घर से बिना बताए कहीं चला गया था। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारी में काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। सूचना पर थाना रामनगर में गुम इंसान दर्ज कर तलाश शुरू की गई। विवेचना के दौरान युवक का शव केरहा जंगल में यूकेलिप्टिस के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला।

मृतक की पहचान उसके कपड़ों से हुई

मृतक की पहचान उसके पहने हुए कपड़ों के आधार पर की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि शव अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण पोस्टमार्टम के दौरान मृतक की शिनाख्त एवं परिवारजनों से जैविक संबंध स्थापित करने हेतु डीएनए सैंपल सुरक्षित कराया गया है। मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई हैं।

समस्या | नल जल योजना जिम्मेदारों की लापरवाही और मनमानी की भेंट चढ़ गई, शिकायत के बावजूद नहीं दे रहे ध्यान

हैंडपंप खराब, नदी से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण

अनूपपुर, नवभारत 10 मई। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर नल-जल योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि गांवों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच सके। विकासखंड अनूपपुर अंतर्गतग्राम पंचायत पडौर के बैगान टोला में यह योजना जिम्मेदारों की लापरवाही और मनमानी की भेंट चढ़ गई है।

नल-जल योजना लंबे समय से बंद पड़ी है, जबकि मोहल्ले का इकलौता हैंडपंप भी खराब हो चुका है। इसके कारण ग्रामीणों को भीषण गर्मी में करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित केवई नदी से पानी लाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है।

रखरखाव और निगरानी का अभाव

ग्राम की महिला सियाबती ने बताया कि गांव में पेयजल संकट दूर करने के उद्देश्य से नल-जल योजना शुरू की गई थी, लेकिन ग्राम पंचायत और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की उदासीनता के कारण योजना का संचालन बंद हो गया। समय पर रखरखाव और निगरानी नहीं होने से स्थिति लगातार खराब होती गई।

ग्रामीण कई किलोमीटर दूर से ला रहे पानी

अब गांव के लोग पानी के लिए रोजाना संघर्ष करने को मजबूर हैं। सुबह से ही महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बर्तन लेकर नदी की ओर निकल पड़ते हैं। कई किलोमीटर पैदल चलकर पानी लाना ग्रामीणों की दिनचर्या बन गई है।

विभागीय टीम भेजी जाएगी : शाह

कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अमित शाह का कहना है कि मामले की जानकारी लेकर विभागीय टीम भेजी जाएगी तथा खराब हैंडपंप और बंद नल-जल योजना को जल्द सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

अधिकारियों ने नहीं की कोई ठोस पहल

दुआसिया बाई का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो पंचायत ने ध्यान दिया और न ही विभागीय अधिकारियों ने कोई ठोस पहल की। नदी का पानी पीने और घरेलू उपयोग में लेने से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक समस्या के स्थायी समाधान के लिए गंभीर नजर नहीं आ रहा है।